Prof. Khushbu Kumari,
Guest Teacher,
Dept. of Political Science,
V.S.J. College, Rajnagar, Inmu

Class - B.A-I(H)
Paper - I
Date - 5 April, 2021

Topic — राजनीतिक सिद्धांत

Lecture - 2

राजनीतिक सिद्धान्त के अध्ययन करने के कई प्रकार के दृष्टिकोण निर्मित हुए हैं। चूंकि राजनीतिक विचारकों ने ऐतिहासिक संदर्भों में सार्वभौमिक राजनीतिक समस्याओं का विश्लेषण कर उसके समाधान के लिए अपना चिंतन प्रस्तुत किया है इसलिए उनकी कई प्रकार की व्याख्याएं की जाती हैं। यह माना जाता है कि किसी पुस्तक की विषय-वस्तु के साथ-साथ उसका संदर्भ भी महत्वपूर्ण है।

व्याख्याकार स्वयं के राजनीतिक झुकाव के साथ राजनीतिक ग्रन्थों की व्याख्या करते हैं और इसलिए यह पता लगाना कठिन होता है कि राजनीतिक सिद्धान्त की परम्परा में मौलिक चिंतन क्या है और व्याख्याकार का चिंतन क्या है। राजनीतिक सिद्धान्त की व्याख्या संबंधी समस्या तब और ज्यादा गहन होती गई जब राजनीतिक सिद्धांत का इतिहास लिखा जाने लगा। इस के व्याख्या करने के बहुत से नए दृष्टिकोण अस्तित्व में आए।

विभिन्न दृष्टिकोणों के मध्य में कुछ प्रश्नों पर मतभेद है और इसमें सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि चिंतन

May 202
Su Mo Tu We Th Fr
31 1
3 4 5 6 7 8
10 11 12 13 14 15
17 18 19 20 21 22
24 25 26 27 28 29
Shot on Y15
Vivo AI camera
Scanned with CamScanner

ऐतिहासिक संदर्भ से सीमित होता है या नहीं। कुछ व्याख्याकार यह मानते हैं कि किसी भी चिंतक के विचारों का मूल्यांकन उसके ऐतिहासिक संदर्भ के अंतर्गत ही किया जा सकता है और उनके विचार मुख्यतः अपने समसामयिक ऐतिहासिक संदर्भ की समस्याओं पर परिलक्षित होते हैं उनमें सार्वभौमिक तत्वों का होना सुनियोजित नहीं होता और इसलिए गौर महत्वपूर्ण होता है वहीं दूसरे व्याख्याकार यह मानते हैं कि चिंतन की परिभाषा ही यह है कि वह सार्वभौमिक और सार्वकालिक हो तथा अपने समय के संदर्भ में सीमित न हो। किसी विचारक के ग्रन्थ की समीक्षा करनी है तो उसे उस कसौटी से परे रखकर

सार्वभौमिक तत्वों के अंतर्गत की जानी चाहिए। कुछ व्याख्याकार यह मानते हैं कि प्राचीन और मध्ययुग में विशेष रूप से विचारक अपने चिंतन को छुपाकर विचार व्यक्त करना चाहते थे और इसलिए वे ऐसी भाषा और अवधारणाओं का उपयोग करते थे जो उस समय के राजाओं को शासन को या धार्मिक संस्थाओं को स्वीकार थी लेकिन वे उनके माध्यम से नए विचार देना चाहते थे। आधुनिक काल में कई नए दृष्टिकोण सामने आए हैं जो आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकता के प्रश्न को महत्वपूर्ण

Scanned with CamScanner

मानते है तथा वर्तमान में स्थापित विश्लेषण की विशिष्ट इकाइयों जैसे – जेंडर, वर्ग, मानवीय अधिकार, इत्यादि को ध्यान में रखकर व्याख्या करना चाहते है।